ईश्वर की ओर मुड़ा हुआ हृदय

2 इतिहास 16:9
“क्योंकि यहोवा की आँखें पूरे पृथ्वी पर दौड़ती रहती हैं,
ताकि वह उन लोगों में अपनी शक्ति दिखा सके, जिनका हृदय पूरी
तरह से उसकी ओर मुड़ा हुआ है।”

जब हम बाइबिल में राजा के इतिहास को पढ़ते हैं, तो हमें राजा आसा मिलता है। बाइबिल बताती है कि उसने धर्मपरायणता की राह अपनाई और यहूदा देश से सभी मूर्तिपूजकों को हटाया। उसने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित सभी मूर्तियों और बलिदान स्थलों को नष्ट कर दिया। कुल मिलाकर, वह एक ऐसा राजा था जिसने हर कार्य में ईश्वर पर पूरी तरह भरोसा रखा, और इसलिए ईश्वर ने उसे बहुत सफलता दी। (1 राजा 15:9-15)

एक समय ऐसा आया जब उसने पाया कि उसकी जन्म देने वाली माता मूर्तिपूजा कर रही थी। उसने बिना किसी भावनात्मक लगाव के उसे राजसिंहासन से हटा दिया। उस समय के राजा के लिए यह असामान्य था क्योंकि आम तौर पर राजा की माता को सिंहासन के पास सम्मानित किया जाता था। लेकिन आसा ने यह साबित कर दिया कि ईश्वर की महिमा के लिए किसी भी मानवीय संबंध को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती।

हम आज भी यही सीख सकते हैं: क्या हम अपने माता-पिता की परंपराओं

या इच्छाओं को तब तक पालन कर सकते हैं जब तक वे ईश्वर के आदेशों के विपरीत न हों? ईश्वर हमें इस साहस और विवेक के लिए मदद करें।

आसा ने यह सुनिश्चित किया कि यहूदा और बेन्यामीन में कोई मूर्ति न बचे। उसने ईश्वर से प्रतिज्ञा की कि वह और यहूदा के लोग पूरी निष्ठा और शक्ति के साथ उसकी खोज करेंगे। और उन्होंने घोषणा की कि जो कोई भी परमेश्वर की खोज नहीं करेगा, वह चाहे छोटा हो, बड़ा हो, पुरुष हो या महिला, उसे दंडित किया जाएगा।

ईश्वर को यह बहुत प्रिय लगा और उसने आसा को अपने पड़ोसियों के खिलाफ लंबे समय तक शांति और विजय दी। जब भी उसके दुश्मन हमला करते, ईश्वर उसे विजय और प्रचुर संपत्ति से नवाजते। उसने यहूदा को मजबूत किले, मीनार, द्वार और संरचना देने में आशीर्वाद दिया।

लेकिन ईश्वर ने उसे भविष्य की चेतावनी दी। नबी ओदीद के माध्यम से कहा गया:

2 इतिहास 16:7-9
“तब हनानी द्रष्टा राजा आसा से जाकर कहे, ‘क्योंकि तुम शमोन
के राजा पर भरोसा कर रहे हो और यहोवा, तुम्हारे परमेश्वर, पर नहीं, इसलिए शमोन के राजा की सेना तुम्हारे हाथ से बच निकली। क्या वे इस्राएल और लुबियों की इतनी बड़ी सेना, घोड़ों और

रथों से भरी हुई, नहीं थी? फिर भी, क्योंकि तुम यहोवा पर
भरोसा करते थे, उसने उन्हें तुम्हारे हाथ में दे दिया। क्योंकि यहोवा की आँखें पूरे पृथ्वी पर दौड़ती रहती हैं,
ताकि वह अपनी शक्ति उन लोगों में दिखा सके, जिनका हृदय पूरी
तरह उसकी ओर मुड़ा हुआ है। अब तुमने मूर्खता की है; अब से तुम्हें युद्ध का सामना करना पड़ेगा।”

आसा ने सोचा कि ईश्वर उसकी निष्ठा को नहीं देख रहे हैं, और उसने मनुष्य की ओर भाग लिया। लेकिन ईश्वर का दृष्टि हर जगह फैली हुई थी, और वह उसके पूरे हृदय और विश्वास को देख रहा था।

यह हमें सिखाता है कि हमें हमेशा ईश्वर पर भरोसा रखना चाहिए, न कि मनुष्य पर। हमारे दिल को पूरी तरह से ईश्वर की ओर मोड़ना चाहिए। केवल तब ईश्वर अपनी शक्ति हमारे जीवन में प्रकट करेगा।

यदि आपने अभी तक अपने जीवन को ईश्वर के हाथ में नहीं सौंपा है, तो अभी समय है। यीशु मसीह का रक्त अब भी शुद्ध करता है। जब आप पूर्ण विश्वास और पश्चाताप के साथ अपने जीवन को यीशु को समर्पित करेंगे, तो आप पापों पर विजय प्राप्त करेंगे। इसके बाद आपको विश्वास और पवित्र जीवन के लिए परमेश्वर का पवित्र आत्मा मार्गदर्शन देगा।

हमेशा अपने दिल को ईश्वर की ओर मोड़ें , और वही शक्ति आपके जीवन में दिखाई देगी।

Share on:
WhatsApp

Print this post